भूगोल

चैप्टर नंबर	चैप्टर का नाम
चैप्टर 1	संसाधन
चैप्टर 2	भूमि, मृदा, जल, प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन
चैप्टर 3	खनिज और शक्ति संसाधन
चैप्टर 4	कृषि

Scanned with CamScanner

वर्ग - VIII अध्याय 1 संसाधन
विषय - भूगोल

प्र० → पृथ्वी पर संसाधन असमान रूप से क्यों वितरित है?

Ans → प्राकृतिक संसाधनों का वितरण भू-आकृतियों, जलवायु, ऊँचाई, वनस्पति जैसे अनेक भौतिक कारकों पर निर्भर करता है। पृथ्वी पर इन कारकों में विभिन्नता होने के कारण संसाधनों का वितरण असमान है।

प्र० → संसाधन संरक्षण क्या है?

Ans → संसाधनों का सतर्कता तथा बुद्धिमता पूर्वक उपयोग करना और उन्हें नवीकरण के लिए समय देना संसाधन संरक्षण कहलाता है।

प्र० → मानव संसाधन महत्वपूर्ण क्यों है?

Ans → मानव संसाधन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मनुष्य की योग्यताएँ ही भौतिक पदार्थों को मूल्यवान संसाधन बनाने में सहायता करती है।

प्र० → सतत पोषणीय विकास क्या है?

Ans → संसाधनों का सावधानी पूर्वक उपयोग ताकि न केवल वर्तमान पीढ़ी ही नहीं अपितु भावी पीढ़ियों की आवश्यकताएँ भी पूरी होती है।

Scanned with CamScanner

सही उत्तर पर निशान लगाइए :—

(i) निम्नलिखित में से कौन संसाधन को निर्धारित नहीं करता ?

(क) उपयोगिता
(ख) मूल्य — उत्तर → (ग) मात्रा
(ग) मात्रा

(ii) निम्नलिखित में से कौन-सा मानव निर्मित संसाधन है ?

(क) कैंसर उपचार की औषधियाँ
(ख) सोने का जल — उत्तर → (ख)
(ग) उच्चकटिबंधीय वन

(iii) कथन पूरा कीजिए —
जैव संसाधन ..... होते हैं।

(क) जीव-जन्तुओं से व्युत्पन्न — उत्तर → (क)
(ख) मनुष्यों द्वारा निर्मित
(ग) निर्जीव वस्तुओं से व्युत्पन्न

Scanned with CamScanner

प्र० - निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए

(i) संभाव्य और वास्तविक संसाधन :—

Ans :→

संभाव्य संसाधन	वास्तविक संसाधन
(i) वे संसाधन जिनकी संपूर्ण मात्रा ज्ञात नहीं हो सकी है। (ii) इन संसाधनों का वर्तमान में उपयोग नहीं किया जा रहा है परंतु भविष्य में इनका उपयोग किया जा सकता है। उदाहरण :- लद्दाख में पाया गया यूरेनियम	(i) इन संसाधनों की मात्रा ज्ञात होती है। (ii) इन संसाधनों का वर्तमान में उपयोग किया जा रहा है। उदाहरण :- कोयला, खनिज तेल इत्यादि।

प्र० → सर्वव्यापक और स्थानिक संसाधन

सर्वव्यापक संसाधन	स्थानिक संसाधन
जो संसाधन सभी जगह पाए जाते हैं वे सर्वव्यापक संसाधन कहलाते हैं। उदाहरण - वायु, सूर्य का प्रकाश इत्यादि।	जो संसाधन कुछ निश्चित स्थानों पर ही पाए जाते हैं वे स्थानिक संसाधन कहलाते हैं। उदाहरण - ताँबा, लौह-अयस्क इत्यादि।

Arun Sir (A.T.)
Gyan Kendra

Scanned with CamScanner

Class : 8 th
Subject : भूगोल
Chapter : 1
Chapter Name : संसाधन

Q1 पृथ्वी पर संसाधन असमान रूप से क्यों वितरीत हैं?

Answer.

i.प्राकृतिक संसाधन का वितरण भूभाग,जलवायु,ऊँचाई पर निर्भर है।
ii.पृथ्वी पर इन् कारको में विभिन्ता है।
iii.इसी विभिन्नता के कारण पृथ्वी पर संसाधन आसमान रूप से वितरित हैं।

Page : 5, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q2 संसाधन संरक्षण क्या हैं?

Answer.

i.संसाधनों का सतर्कतापूर्वक उपयोग करना और उन्हें नवीकरण के लिए समय देना संसाधन संरक्षण कहलाता है।
ii.संसाधन संरक्षण का एक तरीका यह है कि प्रत्येक व्यक्ति अपना संसाधन उपभोग कम कर दे।
iii.वस्तुओ का पुनः उपयोग और पुनः चक्रण करके भी हम संसाधनो का संरक्षण कर सकते हैं।
iv. संसाधनो का संरक्षण करने से हम पृथ्वी पर विभिन्नता ला सकते हैं, जिससे हम पृथ्वी और जीवन बनाये रख सकते हैं।

Page : 5, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q3 मानव संसाधन महत्वपूर्ण क्यों है?

Answer.

i.मनुष्यो द्वारा प्रकृति की वस्तुओं को विज्ञानं तथा प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करके उत्पन किये जाने वाले संशाधनों को मानव संसाधन कहते हैं।
ii.मनुष्य अपने आप में ही एक संशाधन है।
iii.शिक्षा और स्वास्थ्य का उपयोग करके मानुष सबसे बहुमूल्य संशाधन बन गया हैं।
iiमानव संशाधनों का प्रयोग करके हम अपने जीवन को और सरल बना सकते हैं।
iv.मानव संसाधन का प्रयोग हम प्राकृतिक संसाधनों के जगह उपयोग करके प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कम कर सकते हैं,जिससे हम उनका संरक्षण कर सकते हैं।
v. प्राकृतिक संशाधनों का संरक्षण करके हम पृथ्वी पर जीवन बनाये रख सकते हैं।
vi.अतः मानव संसाधन बहुत महत्वपूर्ण है।

Page : 5, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Scanned with CamScanner

Q4 सततपोषणीय विकास क्या है?

Answer.

I.संशाधनों का उपयोग करने की आवश्यकता और भविष्य के लिए उनके संरक्षण में संतुलन बनाये रखना सततपोषणीय विकास है।

ii.सततपोषणीय विकास की कुछ सिद्धांत हैं:

a.जीवन के सभी रूपो का आदर और देखभाल।

b.मानव जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना।

c.पृथ्वी की जीवन शक्ति और विविधता का संरक्षण करना।

d.प्राकृतिक संशाधनों के ह्रास को कम से कम करना,इत्यादि

Iii.सततपोषणीय विकास से ही हम अपने सारे संशाधनों का अधिक समय तक उपयोग कर सकते हैं।

Page : 5, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q1निम्नलिखित में से कौन संशाधन को निर्धारित नहीं करता?

(क). उपयोगिता।

(ख). मूल्य।

(ग). मात्रा।

Answer. (ख) मूल्य।

Page : 5, Block Name : सही उत्तर पर निशान लगाइए

Q2 निम्नलिखित में से कौन-सा मानव निर्मित संशाधन है?

(क).कैंसर उपचार की ओषधिया

(ख). झरने का पानी

(ग).उष्णकटिबंधीय वन

Answer. (क) कैंसर उपचार की औषधिया।

Page : 5, Block Name : सही उत्तर पर निशान लगाइए

Q3 कथन पूरा कीजिये।

अनवीकरणीय संशाधन ..... होते है।

(क) सिमित भंडार वाले।

(ख) मनुष्यो द्वारा निर्मित।

(ग) निर्जीव वस्तुओ से व्युत्पन।

Answer. (क)सिमित भंडार वाले।

Scanned with CamScanner

Page : 5, Block Name : सही उत्तर पर निशान लगाइए

Scanned with CamScanner

Class : 8th
Subject : भूगोल
Chapter : 2
Chapter Name : भूमि,मृदा, जल, प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन संशाधन।

Q1 मृदा निर्माण के लिए उत्तरदायी दो मुख्य जलवायु कारक कौन से है?

Answer. जनक शैल का स्वरुप और जलवायविक कारक मृदा निर्माण के मुख्य कारक हैं।

Page: 20, Block Name : निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q2 भूमि निम्नीकरण के कोई दो कारण लिखिए।

Answer. कृषि और निर्माण सम्बंधित गतिविधियां भूमि निम्नीकरण के कारक हैं।

Page: 20, Block name : निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q3 भूमि को महत्वपूर्ण संशाधन क्यों माना जाता है?

Answer.
१.भूपृष्ठ के कुल क्षेत्रफल का लगभग 30 प्रतिशत भाग भूमि है,जिसका सभी भाग आवास योग्य नहीं है।
२.उबड़ खाबड़ स्थलाकृति,पर्वतो की तीव्र ढाल, जलाक्रांत संभावित निम्न क्षेत्र,मरुस्थल क्षेत्र एवं सघन वन क्षेत्र सामान्यतः विरल अथवा निर्जल हैं।
३.भूमि का उयोग कृषि वानिका ,खनन,सड़को और उद्योगों की स्थापना के लिए किया जाता है।
निम्न कारणों के कारण भूमि को महत्वपूर्ण संशाधन माना जाता है।

Page: 20, Block name : निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q4 किन्ही दो सोपानों के नाम बताइये जिन्हें सरकार ने पौधों और प्राणियों के संरक्षण के लिए आरंभ किया है।

Answer. सी.आई.टी.ई.एस. (द कन्वेंशन ओन इंटरनेशनल ट्रेंड इन इंनडेंजेर्ड स्पीशीज ऑफ़ वर्ल्ड फौना एंड फ़्लोरा) यह सरकारद्वारा प्राणियों और पौधों के संरक्षण के लिए आरंभ किया गया हैं।

Page : 20, Block name : निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q5 जल संरक्षण के तीन तरीके बताए।

Answer.
१.जल का संग्रहण।
२.खेतो को सिचित करने वाली नहरो को ठीक से पक्का करना।

Scanned with CamScanner

३.रिसाव एयर वाष्पीकरण से होने वाले जल के नुकसान को रोकने के लिये क्षेत्र की स्प्रिंक्लेरो से सिचाई करना।

यह कुछ तरीके है जल संरक्षण के तरीके हैं।

Page : 20, Block name : निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q1 निम्नलिखित में से कौन-सा कारक मृदा निर्माण का नही है?
(क) समय (खा) मृदा का गठन (ग) जैव पदार्थ

Answer. (ख)मृदा का गठन।

Page : 20, Block Name : सही उत्तर को चिन्हित कीजिये

Q2 निम्नलिखित में से कौन सी विधि तीव्र ढालो पर मृदा अपरदन को रोकने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है?
(क) रक्षक मेखला (ख) मलचिंग (ग) वेदिका कृषि

Answer. (ग) वेदिका कृषि

Page : 20, Block name : सही उत्तर को चिन्हित कीजिये

Q3 निम्नलिखित में से कौन सा प्रकृति के संरक्षण के अनुकूल नहीं है?
(क)बल्ब को बंद कर दें चाहिए जब आवश्यकता न हो।
(ख)नल को उपयोग के बाद तुरंत बंद कर देना चाहिए।
(ग) ख़रीददारी के बाद पाली पैक को नष्ट कर देना चाहिए।

Answer. (ग) ख़रीददारी के बाद पोली पैक को नष्ट कर देना चाहिए।

Page : 20, Block Name : सही उत्तर को चिन्हित करे

Q4 निम्नलिखित का मिलान कीजिये:-
(क) भूमि उपयोग - मृदा अपरदन को रोकना।
(ख) ह्यूमस - ऊपरी मृदा पर निक्षेपित जैव पदार्थ।
(ग) चट्टान बाँध - स्थलमंडल , जलमंडल और वायुमंडल के बीच जुड़ा एक संकरा क्षेत्र।
(घ) जैवमंडल - भूमि का उत्पादनकारी उपयोग।

Answer. (क) भूमि उपयोग - भूमि का उत्पादनकारी उपयोग।
(ख) ह्यूमस - ऊपरी मृदा पर निक्षेपित जैव पदार्थ।
(ग) चट्टान बाँध - मृदा अपरदन को रोकना।
(घ) जैवमंडल - स्थलमंडल , जलमंडल और वायुमंडल के बीच जुड़ा एक संकरा क्षेत्र।

Scanned with CamScanner

Page : 20, Block name : निम्नलिखित का मिलान कीजिये

Q5 निम्नलिखित कथनों में से सत्य अथवा असत्य बताइये। यदि सत्य है तो उसके कारण लिखिए:-
भारत का गंगा ,ब्रम्हपुत्र का मैदान अत्यधिक आबाद प्रदेश है?

Answer. सत्य। कारण: गंगा ,ब्रम्हपुत्र के मैदान का टॉरूप सामान्य है और वह की मृदा भी उपजाऊ है इन्ही कारणों की वजह से वह अत्यधिक आबाद प्रदेश हैं।

Page : 20 Block Name: निम्नलिखित कथनों में से सत्य अथवा असत्य बताइये। सत्य है तो उसके कारण लिखिए

Q2 भारत के प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता कम हो रही है।

Answer. सत्य। कारण:बारिश के पानी का संग्रहण न करने के कारण और जल को आवश्यकता से अधिक इस्तेमाल
करने के कारण भारत में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता कम हो रही है।

Page: 20, Block Name: निम्नलिखित कथनों में से सत्य अथवा असत्य बताइये। सत्य है तो उसके कारण लिखिए

Q3 तटीय क्षेत्रों में पवन गति रोकने के लिए वृक्ष कतार में लगाये जाते है,जिससे बीच की फसल उगाने कहते है।

Answer. असत्य।

Page: 20, Block Name: निम्नलिखित कथनों में से सत्य अथवा असत्य बताइये। सत्य है तो उसके कारण लिखिए

Q4 मानवीय हस्तक्षेप और जलवायु परिवर्तन पारितंत्र को व्यवस्थित रख सकते है।

Answer. सत्य। कारण: पारितंत्र के भीतर अव्यवस्थिता मनुष्यो के पर्यावरण छेद-चढ़ की वजह से ही आयी है इसीलिए मानुष ही उसे फिर से व्यवस्थित कर सकता है।

Page: 20, Block Name: निम्नलिखित कथनों में से सत्य अथवा असत्य बताइये। सत्य है तो उसके कारण लिखिए

Scanned with CamScanner

Class : 8th
Subject : भूगोल
Chapter : 3
Chapter Name : खनिज और शक्ति संसाधन

Q1 प्रतिदिन आपके उपयोग में आने वाले तीन सामान्य खनिजो के नाम बताइये।

Answer. लोहा, एल्युमीनियम और ग्रेफाइट यह प्रतिदिन उपयोग में आने वाले तीन सामान्य खनिज है।

Page : 34, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q2अयस्क क्या है? धात्विक खनिजो के अयस्क सामान्यतः कहा पाए जाते है?

Answer.

- शैल जिनसे खनिजो का खनन किया जाता है उसे अयस्क कहते हैं।
- धात्विक खनिज आग्नेय और कायांतरित शैल समूह जिनसे विशाल पत्थरो का निर्माण होता है उसमें पाए जाते हैं।

Page : 34, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q3 प्राकृतिक गैस संशाधनों में संपन्न दो प्रदेशो के नाम बताइए।

Answer. भारत में जैसलमेर ,कृष्णा-गोदावरी डेल्टा में प्राकृतिक गैस के संशाधन हैं।

Page : 34, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q4इनके लिए ऊर्जा के किन स्रोतो का सुझाव देंगे-
(क)ग्रामीण क्षेत्रो (ख) तटीय क्षेत्रों (ग) शुष्क प्रदेशो

Answer.
(क) ग्रामीण क्षेत्रो-बायो गैस
(ख) तटीय क्षेत्रों- पवन ऊर्जा
(ग) शुष्क प्रदेशो- सूर्य ऊर्जा

Page : 34, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q5पाँच तरीके दीजिये जिनसे आप घर पर ऊर्जा बचा सकते है।

Answer.

- आवश्कता न होने पर घर के जल रहे स्विच को बंद करे।
- खाना ढक कर पकाये।

Scanned with CamScanner

- प्रेशर कुकर का इस्तेमाल करे।
- रात या अँधेरा होने से पहले लाइट का इस्तेमाल न करे।
- अपने मोबाइल फ़ोन के चार्ज न होने पर चार्जर बंद करके रखे।

Page : 34, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q1 निम्नलिखित में से कौन-सी एक खनिजों की विशेषता नहीं है?
(क) वे प्राकृतिक प्रक्रियाओ द्वारा निर्मित होते हैं।
(ख) उनका एक निश्चित रासायनिक संघटन होता हैं।
(ग) वे असमाप्य होते हैं।
(घ) उनका वितरण असमान होते हैं।

Answer. (ग) वे असमाप्य होते है।

Page : 34, Block Name : सही उत्तर चिन्हित कीजिये

Q2 निम्नलिखित में से कौन विश्व में तांबे का अग्रणी उपत्पादक है?
(क) बोलीविया (ख) चिली (ग) घाना (छ) ज़िम्बाब्वे

Answer. (ख)चिली।

Page : 34, Block Name : सही उत्तर को चिन्हित कीजिये

Q3 निम्नलिखित प्रक्रियाओं में से कौन-सी आपके रसोईघर में द्रवित पेट्रोलियम गैस(एल.पी. जी.) संग्रक्षित नहीं करेगी-
(क) पकाने से पहले दाल को कुछ समय के लिए भिगोना।
(ख) प्रेशर कुकर में खाना पकाना।
(ग) पकाने के लिए गैस जलने से पूर्व सब्ज़ियों को काट लेना।
(घ) खुली कढ़ाई में कम ज्वाला पर भोजन पकाना।

Answer. (घ) खुली कड़ाई में कम ज्वाला पर भोजन पकाना।

Page : 34, Block Name : सही उत्तर को चिन्हित कीजिये

Q1 बड़े बांधो के निर्माण के पूर्व परिवर्णीय पहलुओं को ध्यानपूर्वक देखना चाहिए।

Answer.

- बड़े बांधो के निर्माण के लिए किनारे के पेड़ों को काटा जाता है जिससे पर्यावरण को बहुत हानि होती है।
- बांध के निर्माण में नदियों को बाट दिया जाता है जिससे नदियों का बहना रुक जाता है।

Scanned with CamScanner

- क्योंकि नदी अब स्वतंत्र रूप से बहती नहीं है, पानी स्थिर हो जाता है और जलाशय का तल ऑक्सीजन से रहित हो जाता है जिससे जल जीवन को बहुत हानि होती है।
- इसीलिए बांधो के निर्माण से पहले पर्यावरणीय पहलु को ध्यान से देखा जाता।

Page : 34, Block Name : कारण बताइये

Q2अधिकांश उद्योग कोयला खानों के पास केंद्रित होते है।

Answer.

- कोयला बहुत सारी उद्योगों के लिए ऊर्जा और कच्चे माल का स्त्रोत हैं।
- यदि यह उद्योग कोयला खानों से दूरी पर होंगे तो कोयले को ले जाने का खर्च बढ़ जाएगा और कोयला ले जाने में कुछ कोयला बर्बाद भी हो सकता है।
- इन्ही कारणों की वजह से बहुत से उद्योग कोयला खानों के पास केंद्रित हैं।

Page : 34, Block Name : कारण बताइये

Q3पेट्रोलियम को 'काला सोना' कहा जाता है।

Answer.

- पेट्रोलियम के कच्चे तेल को जब भूमि से निकाला जाता है तब उसका रंग काला होता हैं।
- पेट्रोलियम के बहुत सारे उपयोग है जैसे की पेट्रोलियम गाड़ियों के ईंधन में इस्तेमाल किया जाता है।
- पेट्रोलियम का उपयोग विद्युत ऊर्जा उत्पादन में भी किया जाता है।
- पेट्रोलियम बहुत कम भी पाया जाता है।
- इन सभी कारणों की वजह से पेट्रोलियम को काला सोना कहा जाता है।

Page : 34, Block Name : कारण बताइये

Q4 आखंनन परिवर्णीय चिंता का विषय हो सकता है।

Answer.

- आखानंन में सतह के निकट स्थित खनिजो को खोद कर निकाला जाता है।
- इससे आसपास की भूमि पर प्रभाव पढता है इसीलिए आखानंन पर्यावरणीय चिंता का विषय हो सकता है।

Page : 34, Block Name : कारण बताइये

प्रश्न 4 निम्नलिखित में से अंतर स्पष्ट कीजिये:-

Q1परंपरागत और गैस-परंपरागत ऊर्जा के स्त्रोत।

Answer .

Scanned with CamScanner

परंपरागत ऊर्जा के स्त्रोत	गैर-परंपरागत ऊर्जा के स्त्रोत
• ऊर्जा के परंपरागत स्त्रोत वे है जो लबे समय से सामान्य उपयोग मेंलाये जा रहे हैं।	• वे स्त्रोत जो पर्यावरण में उपस्थित है और जिनके भंडार असीमित है उनके गैर परंपरागत ऊर्जा के स्त्रोत कहते है, जीवश्मी ईंधनों के बढ़ते उपयोग के कारण दिन प्रति दिन इनका उपयोग कम किया जा रहा हैं।
• ईंधन और जीवश्यमी ईंधन परंपरागत ऊर्जा के दो स्त्रोत है।	• परमाणु ऊर्जा और सौर्य ऊर्जा गैर परंपरागत ऊर्जा के स्त्रोत हैं।

Page : 34, Block Name : निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए

Q2 बायोगैस और प्राकृतिक गैस

Answer.

बायोगैस	प्राकृतिक गैस
• यह मानव द्वारा निर्मित संशाधन हैं।	• यह पेट्रोलियम निक्षेपो के साथ पाये जाने वाले तथा प्रकृति में पाए जाने वाले संशाधन हैं।
• इसका उत्पादन जैविक अपशिष्ट, जैसे मृत पौधे, जंतुओं के अवशेष ,पशुओं के गोबर से किया जाता है।	• भारत के कृष्ण-गोदावरी डेल्टा और जैसलमेर जैसे क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस संशाधन हैं।

Page : 34, Block Name : निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए

Q3 लोह और अलौह खनिज

Answer.

लोह खनिज	अलौह खनिज
• जिस खनिज में लोहा होता है उसे लोहा खनिज कहते हैं।	• जिस खनिज में लोहा नहीं होता है उसे अलौह खनिज कहते है।

Scanned with CamScanner

• उद्धरण: क्रोमाइट,मैंगनीज।	• उद्धरण: तांबा, सीसा।

Page : 34, Block Name : निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए

Q4 धात्विक और अधात्विक खनिज

Answer.

धात्विक खनिज	अधात्विक खनिज
• धात्विक खनिज में धातु कच्चे रूप में होते है	• अधात्विक खनिजो में धातुए नहीं होती।
• उदाहरण: लोहा अयस्क, बॉक्साइट ,मैंगनज अयस्क।	• उदाहरण:चुना-पत्थर और जिप्सम।

Page : 34, Block Name : निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए

Scanned with CamScanner

Class : 8th
Subject : भूगोल
Chapter : 4
Chapter Name : कृषि

Q1 कृषि क्या है?

Answer. एक प्राथमिक क्रिया जिसमे फसलो, फलो,सब्जियों, फूलो को उगाना और पशु पालन शामिल है उससे कृषि कहते हैं।

Page : 46, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q2 उन कारको का नाम बताइये जो कृषि को प्रभावित कर रहे है?

Answer. जलवायु,प्रकाश,वर्षा, मृदा, आद्रता, तापमान इत्यादि कृषि को प्रभावित करते हैं।

Page : 59, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q3 स्थानांतरी कृषि क्यों है? इस कृषि की क्या हानिया है?

Answer.

- जिस कृषि विधि में भूमि की उर्वरता ख़तम हो जाने पर कृषक उस भूमि को छोड़ कर दूसरी भूमि की ओर चला जाता है उसे स्थानांतरी कृषि कहते हैं ।
- इस कृषि विधि में भोखंड को साफ़ किया जाता है वहां के पेड़ों को काट कर जिससे प्राकृति को हानि होती है।

Page : 59, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q4 रोपण कृषि क्या है?

Answer. रोपण कृषि वाणिज्यिक कृषि का एक प्रकार है जहां चाय,कहवा, काजू, रबर, केला अथवा कपास की फैसले उगायी जाती है।

- इसमें बहुत बड़े पैमाने पर श्रम और पूजा की आवश्यकता होती है।
- उत्पाद का प्रसंस्करण खेतो पर या निकट के कारखानों में किया जाता है।
- इस प्रकार इस कृषि में परिवहन जाल के विकास की अनिवार्यता होती है।
- मलेशिया में रबर, ब्राज़ील मे कहवा, भारत और श्रीलंका मे चाय इसके उदाहरण हैं।

Page : 59, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Scanned with CamScanner

Q5 सरकार किसानों को कृषि के विकास में किस प्रकार मदद करती है?

Answer.

- किसानों को अच्छी नस्ल के बीज कम दरों पर देना।
- बेहतर सिचाई सुविधाएं देना।
- अच्छे उर्वर प्रदान करना।
- कृषि के लिए नयी मशीनें सस्ते दामो पर किसानों को देना ।

इन सभी तरीको से सरकार किसानों की कृषि विकास में मदत करती है।

Page : 59, Block Name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q1 उद्यान कृषि का अर्थ ह?
(क) गेहू उगाना।
(ख) आदिम कृषि।
(ग) फलो व सब्ज़ियों को उगाना।

Answer. (ख) फलो व सब्ज़ियों को उगाना

Page : 59, Block Name : सही उत्तर को चिन्हित कीजिये

Q2 'सुनहरा रेशा' से अभिप्राय है?
(क) चाय।(ख) कपास (ग) पटसन

Answer. (ग) पटसन

Page : 59, Block Name : सही उत्तर को चिन्हित कीजिये

Q3कॉफ़ी का प्रमुख उत्पादक है-
(क) ज़ील (ख) भारत (ग) रूस

Answer.
(क) ब्राज़ील

Page : 59, Block Name : सही उत्तर को चिन्हित कीजिये

Q1भारत में कृषि एक प्राथमिक क्रिया है

Answer.

- प्राथमिक क्रियाओं के अंतर्गत उन सभी क्रियाओं को शामिल किया जाता है जिनका संबंध प्राथमिक संशाधनों के उत्पादन और निष्कर्षण से होता है।

Scanned with CamScanner

- भारत में कृषि प्राथमिक क्रिया है क्योंकि इसके कृषि में सारी प्राथमिक क्रियाए शामिल है,जैसे की फसलो,फलो,फूलों को उगाना और पशुधन पालन करना।

Page : 59, Block Name : कारण बताइये

Q2 विभिन्न फसले विभिन प्रदेशो में उगाई जाती है।
Answer.

- विभिन्न प्रदेशों में स्थलाकृति, जलवायु और मृदा विभिन्न है।
- विभिन्न स्थलाकृति ,जलवायु, और मृदा में विभिन्न फसले उगती हैं।

इसीलिए विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न फसले उगती हैं।

Page : 59, Block Name : कारण बताइये

प्रश्न 4. अंतर स्पष्ट कीजिए:-

Q1 प्राथमिक क्रियाए और तृतीया क्रियाए

Answer.

प्राथमिक क्रियाए	तृतीया क्रियाए
• जिन क्रियाओं का संबंध प्राकृतिक संसाधनो के उत्पादन और निष्कारण से है उन्हें प्राथमिक क्रियाए कहा जाता हैं।	• जो क्रियाए प्राथमिक और द्वितीय क्षेत्रो को सेवाकार्यो द्वारा सहयोग प्रदान करती है उन्हें तृतीया क्रियाए कहा जाता हैं।
• कृषि, मत्स्यन और संग्रहण यह प्राथमिक क्रियाओं के उदहारण हैं।	• व्यापर, बैंकिंग, बिमा और विज्ञापन यह तृतीया क्रियाओं के उदाहरण हैं।

Page : 59, Block Name : अंतर बताइये

Q2निर्वाह कृषि और गहन कृषि

Answer.

निर्वाह कृषि	गहन कृषि

Scanned with CamScanner

• इस प्रकार की कृषि कृषक परिवार की आवश्यकता को पूरा करने जे लिए की जाती हैं।	• गहन कृषि में किसान एक छोटे से भूखंड पर साधारण औज़ारों और श्रम से खेती करता हैं।
• पारंपरिक रूप से कम उपज प्राप्त करने के लिए स्तरीय प्रौद्योगिकी और पारिवारिक श्रम का उपयोग किया जाता हैं।	• अधिक धुप वाले दिनों से युक्त जलवायु और उर्वर मृदा वाले खेत में, एक वर्ष से अधिक फसले उगायी जा सकती हैं।
• निर्वाह कृषि को पुनः गहन निर्वाह कृषि और आदिम निर्वाह कृषि में वर्गीकृत किया जा सकता हैं।	• गहन निर्वाह कृषि दक्षिणी, दक्षिण पूर्वी और पूर्वी एशिया के सघन जनसंख्या वाले मॉनसूनी प्रदेश प्रचलित है। उदहारण: चावल, गेहू,इत्यादि।

Page : 59, Block Name : अंतर बताइये

Scanned with CamScanner

इतिहास

अध्याय नंबर	अध्याय का नाम
अध्याय 1	क्या, कब, कहाँ और कैसे
अध्याय 2	व्यापार से साम्राज्य तक
अध्याय 3	ग्रामीण क्षेत्र पर शासन चलाना
अध्याय 4	आदिवासी, दिकु और एक स्वर्ण युग की कल्पना

Scanned with CamScanner

Class : 8
Subject : सामाजिक विज्ञान
Chapter : 1
Chapter Name : कैसे, कब और कहाँ

Q1 सही और गलत बताएँ:

I) जेम्स मिल ने भारतीय इतिहास को हिन्दू , मुस्लिम, ईसाई तीन कालखण्डों में बाँट दिया था ।

ii) सरकारी दस्तावेज़ों से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि लोग क्या सोचते हैं ।

iii) अंग्रेजों को लगता था कि सही तरह शासन चलने के लिए सर्वेक्षण महत्वपूर्ण होते हैं।

Answer.

i) नहीं।

ii) नहीं।

iii) हाँ।

Page : 8 , Block Name : फिर से याद करें

Q2 जेम्स मिल ने भारतीय इतिहास को जिस तरह काल खंडो में बाटाँ है, उसमे क्या समस्याएँ हैं ।?

Answer.जेम्स मिल ने जिस तरह भारतीय इतिहास को हिन्दू, मुस्लिम व ब्रिटिश कालखंडो में बाटाँ उसमें यहाँ दिखाने की कोशिश की गयी है कि भारत में ब्रिटिशों के आने से पहले यहाँ लोग सिर्फ धर्म, जाति के नाम पर लड़ते थे। यहाँ के शासकों को तानाशाह समझा गया और नागरिकों को असभ्य समझा गया।

जेम्स मिल के इस विभाजन से हमें अनेक समस्याएँ दिखती हैं-

→ भारत में क्या सभी धर्मों के शासको ने देश को धर्म की नज़र से बाँट कर रखा। परंतु हमने देखा है की यहाँ पर लोग एक दूसरे के साथ शांति से रहते थे और इतिहास में भी कोई बड़ी घटना का उल्लेख नहीं है|

→ क्या ब्रिटिश वाकई में भारतीयों को सभ्य बनाना चाहते थे या फिर उपनिवेशवाद फैलाना चाहते थे|क्योंकि अगले 200 साल भारतीय उपमहाद्वीप को जिस तरह उपनिवेशवाद में रखा गया उससे तो यही पता चलता है कि ब्रिटिश भारत को सभ्य नहीं बनाना चाहते थे बल्कि एक कालोनी चाहते थे|

Page : 8 , Block Name : आइए विचार करें

Q3 अंग्रेज़ों ने सरकारी दस्तावेज़ों को किस तरह सुरक्षित रखा ?

Answer. अंग्रेज़ों ने सरकारी दस्तावेज़ों को सुरक्षित रखने के लिए अनेक उपाय करे जैसे अभिलेखागार बनाना या फिर सर्वेक्षण को महत्व देना |

Scanned with CamScanner

→ अंग्रेज़ मानते थे कि चीज़ों को लिखना बहुत महत्वपूर्ण होता है| ऐसा करने से उन दस्तावेज़ों का अच्छे से अध्ययन करा जा सकता था तथा उन पर वाद-विवाद भी करवाया जा सकता था|
→ सरकारी मुलाज़िम के बीच संचार माध्यम को भी दस्तावेज़ों द्वारा और मजबूत बनाकर कार्यों का निपटारा किया जा सकता था|

Page : 8 , Block Name : आइए विचार करें

Q4 इतिहासकार पुराने अखबारों से जो जानकारी जुटाते हैं वो पुलिस की रिपोर्टों में उपलब्ध जानकारी से किस तरह अलग होती है ?
Answer.आमतौर पर पुलिस की रिपोर्ट या फिर कोई भी सरकारी रिपोर्ट में सरकार के विचार को ज्यादा प्रदर्शित किया जाता था | जिन दस्तावेज़ों की उन्हें जरुरत होती थी वे बस उन्हें ही संभाल कर रखते थे| इससे इतिहास-कारों को आम लोगों के विचारों का पता नहीं चलता है लेकिन पुराने अखबारों, तीर्थ यात्राओं के संस्मरणों और आत्मकथाओं से हमें देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों के विचार प्रस्तुत होते थे| इनमें नेताओं के विचार व कवि जगत के लोगों की सोच पता चलती थी|
लेकिन एक आम आदमी, किसान के विचार अभी भी लोगों तक नहीं पहुँच पाते थे क्योंकि आमतौर पर वे अशिक्षित थे और जो लोग अपने विचार प्रस्तुत करते थे वे पढ़े-लिखे लोग थे|

Page : 8 , Block Name : आइए विचार करें

Scanned with CamScanner

Class : 8
Subject : सामाजिक विज्ञान
Chapter : 2
Chapter Name : व्यापार से साम्राज्य तक

Q1 निम्नलिखित के जोड़े बनाए

दीवानी - भू-राजस्व वसूल करने का अधिकार

शेर-ए-मैसूर - टीपू सुल्तान

फौजदारी अदालत - फौजदारी अदालत

रानी चेन्नम्मा - कित्तूर में अँग्रेज़ विरोधी आंदोलन का नेतृत्व किया

सिपाही - सिपॉय

वॉरेन हेस्टिंग्स - भारत का पहला गवर्नर जनरल

Answer.-

Page : 24 , Block Name : फिर से याद करें

Q2 रिक्त स्थान भरे

(क) बंगाल पर अंग्रेज़ों की जीत _____ की जंग से शुरू हुई थी।

(ख) हैदर अली और टीपू सुलतान _____ के शासक थे।

(ग) डलहौज़ी ने _____ का सिद्धांत लागू किया।

(घ)मराठा रियासते मुख्य रूप से भारत के _____में स्थित थी।

Answer.(क) प्लासी

(ख) मैसूर

(ग) विलय नीति

(घ) दक्षिण पश्चिम

Page : 24 , Block Name : फिर से याद करें

Q3 सही या गलत बताएँ

(क) मुग़ल साम्राज्य अठारवीं सदी में मजबूत होता गया।

(ख) इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी भारत के साथ व्यापार करने वाली एकमात्र यूरोपीय कंपनी थी।

(ग) महाराजा रंजीत सिंह पंजाब के राजा थे।

Scanned with CamScanner

(घ) अंग्रेज़ों ने अपने कब्ज़े वाले इलाकों में कोई शासकीय बदलाव नहीं किये।

Answer. (क) गलत

(ख) गलत

(ग) सही

(घ) गलत

Page : 25 , Block Name : फिर से याद करें

Q4 यूरोपीय व्यापारिक कंपनियाँ भारत की तरफ क्यों आकर्षित हो रही थी?

Answer. यूरोपीय व्यापारिक कंपनियाँ भारत की तरफ आकर्षित इसलिए हो रही थी क्योंकि-

→ भारत में निर्मित बारीक़ सूती कपड़ों एवं रेशम के कपड़ों की यूरोपीय बाज़ारों में काफी माँग थी।

→ भारत में मसालों का उत्पादन उस समय के हिसाब से सबसे ज्यादा था और इन मसालों की गुणवता बहुत अच्छी थी जिस वजह से इन मसालों की मांग भी पूरे यूरोपीय क्षेत्र में थी।

→ जो भी उत्पाद ये यूरोपीय व्यापारी भारत से आयात करते थे उनकी कीमत काफी कम होती थी जिस वजह से वे व्यापारी उन्ही चीजों को यूरोप ले जाकर काफी ज्यादा लाभ के साथ बेचते थे।

Page : 25 , Block Name : आइए विचार करें

Q5 बंगाल के नवाबों और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच किन बातों पर विवाद थे?

Answer. बंगाल के नवाबों और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच निम्न बातों पर विवाद थे-

नवाबों ने कंपनी को व्यापार में कोई भी रियायत देने से मना कर दिया अपितु वे कंपनी से नज़रानो की माँग करने लगे।

→ नवाबों ने कंपनी पर धोखाधड़ी के आरोप लगाना शुरू कर दिए और दलील दी कि कंपनी कि वजह से सरकार के राजस्व वसूली में कमी हो रही थी।

→ वही ईस्ट इंडिया कंपनी भी टैक्स नहीं चुकाना चाह रही थी और कंपनी के अफ़सर नवाबों को अपमान जनक चिट्ठी लिखने लगे।

→ कंपनी का मानना था कि नवाबों की बेतुकी शर्तों से व्यापार तबाह हो रहा है और व्यापार को फलने फुलने के लिए सरकार को शुल्क वापस लेने होंगे।

Page : 25 , Block Name : आइए विचार करें

Q6 दीवानी मिलने से ईस्ट इंडिया कंपनी को किस तरह फायदा पहुँचा ?

Scanned with CamScanner

Answer. दीवानी मिलने से ईस्ट इंडिया कंपनी को निम्न तरह फायदा पहुँचा-

→ दीवानी मिलने से ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल के विशाल राजस्व संसाधनों पर नियंत्रण मिल गया जिससे उनके सामने नवाबों की शक्ति कम होने लगी।

→ दीवानी मिलने से कंपनी को अब ब्रिटेन से सब चांदी आयात करके भारतीय उत्पादों को खरीदने की जरुरत नहीं थी क्योंकि अब कंपनी के पास भारत से होने वाली आमदनी से ही आयात करने के लिए पर्याप्त धन मौजूद था।

→ दीवानी मिलने के साथ ही कंपनी ने अपनी विस्तारवादी नीति को शुरू किया और क़िलों और दफ्तरों का निर्माण शुरू किया ।

Page : 25 , Block Name : आइए विचार करें

Q7 ईस्ट इंडिया कंपनी टीपू सुल्तान को खतरा क्यों मानती थी?

Answer. ईस्ट इंडिया कंपनी टीपू सुल्तान को खतरा इसलिए मानती थी क्योंकि-

→ मालाबार तट पर होने वाला व्यापार मैसूर रियासत के अंतर्गत आता था और टीपू सुलतान वहाँ के शासक थे । टीपू सुलतान ने 1785 में अपनी रियासत में पड़ने वाले बंदरगाहों से चंदन की लकड़ी व मसालों के निर्यात पर रोक लगा दी एवं स्थानीय सौदागरों को भी कंपनी के साथ कारोबार करने से रोक दिया जिससे कंपनी को काफी नुकसान हुआ ।

→ मैसूर के शासक टीपू सुल्तान ने फ़्रांसीसी व्यापारियों के साथ भी काफी घनिष्ट सम्बन्ध विकसित किये जो ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रतिद्वंद्वी थे और उनसे टीपू सुल्तान ने अपनी सेना का आधुनिकीकरण भी करवाया जिससे कंपनी के अफ़सर घबरा गए।

Page : 25 , Block Name : आइए विचार करें

Q8 "सब्सिडियरी एलायंस" (सहायक संधि) व्यवस्था की व्याख्या करें।

Answer. सहायक संधि के माध्यम से कंपनी अपना वर्चस्व पूरे भारत में फैलाना चाहती थी । इसके अनुसार जो भी रियासत इस बंदोबस्त को मान लेती है उसे अपनी स्वतंत्र सेनाएँ रखने का अधिकार नहीं रहता था। उसे कंपनी की तरफ से सुरक्षा मिलती थी और इस सुरक्षा के बदले रियासत कंपनी को रकम का भुगतान करती थी। अगर कोई शासक रकम अदा करने में चूक जाते थे तो कंपनी उनके अधिकार क्षेत्र का हिस्सा जुर्माने के तौर पर कब्ज़ा लेती थी। यह संधि अंग्रेज़ों की विस्तारवादी नीति का एक प्रमुख हिस्सा थी।इस व्यवस्था के कारण अवध के नवाब को अपना आधा इलाक़ा कंपनी को सौंपना पड़ा था क्योंकि उनके पास सहायक सेना के भुगतान के लिए पैसे नहीं थे।

Page : 25 , Block Name : आइए विचार करें

Scanned with CamScanner

Q9 कंपनी का शासन भारतीय राजाओं के शासन से किस तरह अलग था?

Answer. कंपनी का शासन भारतीय राजाओं के शासन से निम्न तरह अलग था-

→ कंपनी का शासन सीधे सीधे गवर्नर जनरल के हाथों था, वही भारतीय शासन में यह ताकत राजा या नवाबों के हाथों में होती थी।

→ कंपनी के शासनकाल में हर ज़िले में फौजदारी और दीवानी अदालत अलग अलग थी वही भारतीय शासक ने ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बनाई थी।

→ हर ज़िले में एक कलेक्टर की अहम भूमिका होती थी उसका मुख्य काम लगान वसूलना और सभी सरकारी महकमों के आपसी तालमेल से ज़िले की क़ानून व्यवस्था को बनाए रखना होता था।

Page : 25 , Block Name : आइए विचार करें

Q10 कंपनी की सेना की संरचना में आये बदलावों का वर्णन करें।

Answer. कंपनी जब भारत आई थी तो ये भी मुग़लों की तरह घुड़सवारों पर ज्यादा केंद्रित थी। लेकिन जब अवध और बनारस जैसी रियासतों में किसानों को भर्ती कर उन्हें पेशेवर सैनिक प्रशिक्षण दिया जाने लगा तो ये सूरत बदलने लगी। उन्नीसवीं सदी के साथ ही घुड़सवारों की जरूरत कम पड़ने लगी। अंग्रेज़ अपनी सेना को सिपॉय आर्मी कहते थे।

नयी भर्ती सैनिकों को मस्कट और मैचलॉक से लैस किया जाता था और अब अंग्रेज़ों के लिए पैदल टुकड़ी ज्यादा महत्वपूर्ण होती जा रही थी तथा सैन्य जीवन भी अब काफी ज्यादा अनुशासनात्मक हो गया था।

Page : 25 , Block Name : आइए विचार करें

Scanned with CamScanner

Class : 8
Subject : सामाजिक विज्ञान
Chapter : 3
Chapter Name : ग्रामीण क्षेत्र में शासन चलाना

Q1 निम्नलिखित के जोड़े बनाएँ

रैयत - ग्राम-समूह

महाल - किसान

निज - रैयतों की ज़मीन पर खेती

रैयती - बागान मालिकों की अपनी ज़मीन पर खेती

Answer.

रैयत - किसान

महाल - ग्राम-समूह

निज - बागान मालिकों की अपनी ज़मीन पर खेती

रैयती - रैयतों की ज़मीन पर खेती

Page : 37 , Block Name : फिर से याद करें

Q2 रिक्त स्थान भरें :

(क) यूरोप में वोड उत्पादकों को _____ से अपनी आमदनी में गिरावट का खतरा दिखाई देता था।

(ख) अठारहवी सदी के आखिर में ब्रिटेन में नील की माँग_____ के कारण बढ़ने लगी।

(ग) _____की खोज से नील की अंतराष्ट्रीय माँग पर बुरा असर पड़ा।

(घ) चंपारण आंदोलन _____के ख़िलाफ़ था।

Answer.

(क) नील

(ख) औद्यगिकीकरण

(ग) कृत्रिम रंग

(घ) नील बागानों

Page : 37 , Block Name : फिर से याद करें

Q3 स्थाई बंदोबस्त के मुख्य पहलुओं का वर्णन कीजिये।

Answer.ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1793 में अपने राजस्वो को बढ़ने के लिए स्थाई बंदोबस्त को लागू किया।

Scanned with CamScanner

इस बंदोबस्त के हिसाब से राजाओं और तालुकदारों को ज़मींदारों के रूप में मान्यता दी गयी। उन्हें किसानों से लगान वसूलने और कंपनी के राजस्व चुकाने का ज़िम्मा सौंपा गया।उनकी और से चुकाई जाने वाली राशि को स्थाई रूप से तय कर दिया गया। इसका मतलब ये की भविष्य में कभी भी कंपनी के द्वारा राशि में इज़ाफा नहीं किया जाना था। लेकिन अगर कोई जमींदार राजस्व चुकाने में विफल हो जाता था तो उसकी ज़मींदारी को छीन लिया जाता था।अंग्रेज़ों को लगता था की क्योंकि राज्य की राजस्व मांग बढ़ने वाली नहीं थी इसलिए जमींदार समय के साथ बढ़ते उत्पादन से फायदे में रहेंगे। दूसरी तरफ, गाँव में किसानों को यह व्यवस्था दमनकारी मालूम होती थी।

Page : 38 , Block Name : आइए विचार करें

Q4 महालवारी व्यवस्था स्थाई बंदोबस्त के मुकाबले कैसे अलग थी?
Answer. बंगाल प्रेसीडेंसी के उत्तर-पश्चिम प्रांतों (वर्तमान में उत्तर प्रदेश और बिहार के क्षेत्र) के लिए होल्ट मर्केंज़ी नामक अंग्रेज़ ने एक नयी व्यवस्था तैयार की गयी जिसे महालवारी व्यवस्था कहा गया। मैर्केंज़ी को लगता था की उत्तर भारत समाज में गॉव एक महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था जिसे बचाकर रखना चाहिए और इस व्यवस्था के अंतर्गत गाँव को ही लगान वसूल करने का अधिकार दिया गया।स्थाई बंदोबस्त में कर एवं लगान वसूल करने का अधिकार ज़मींदारों के हाथों में था वहीं महालवारी व्यवस्था में यह ज़िम्मेदारी गाँव के मुखिया को सौंप दी गयी। स्थाई बंदोबस्त में जैसा की नाम से ही प्रतीत होता है राजस्व स्थाई था अर्थात इस कर राशि को कभी नही बढ़ाया जा सकता था लेकिन महालवारी व्यवस्था में लगान राशि को समय समय पर संशोधित किया जाता था।

Page : 38 , Block Name : आइए विचार करें

Q5 राजस्व निर्धारण की नयी मुनरो व्यवस्था के कारण पैदा हुई दो समस्याएँ बताइए।
Answer. ब्रिटिश नियंत्रण वाले दक्षिण भारतीय इलाकों में भी स्थाई बंदोबस्त की जगह नयी व्यवस्था को शुरू किया गया जिसे रैयातवार(मुनरो व्यवस्था) कहा गया।
इस व्यवस्था को लागू करने वाले मुनरो को लगता था की दक्षिण में परंपरागत जमींदार नहीं थे। इसलिए उनका तर्क था कि उन्हें सीधा किसानों से ही बंदोबस्त करना चाहिए। लेकिन इस व्यवस्था में काफी समस्याएं थी-
→ राजस्व अधिकारियों ने आमदनी को बढ़ाने के लिए राजस्व कुछ ज्यादा ही निर्धारित कर दिया गया था जिसे किसान चुका नहीं पा रहे थे और वे गाँवों से भागने लगे जिससे राजस्व वसूली भी सुस्त पड़ने लगी थी।
→ मुनरो को उम्मीद थी की यहाँ व्यवस्था किसानों को संपन्न और खुशहाल बना देगी लेकिन किसान राजस्व चुकाने की विवशता के कारण माहजनों से क़र्ज़ लिए जा रहा था और उसमे फंसता जा रहा था । किसानों के ऊपर ऋण का बोझ बढ़ने से वे किसानी छोड़ने लगे।

Scanned with CamScanner

Page : 38 , Block Name : आइए विचार करें

Q6 रैयत नील की खेती से क्यों कतरा रहे थे?

Answer.रैयत नील की खेती करने से निम्न कारणों से कतरा रहे थे-

→ रैयतों को बागान मालिकों द्वारा समझौता करने के लिए बाध्य करना जिससे उन्हें कम ब्याज दरों पर नकद कर्ज मिल जाता था लेकिन उन्हें बागान मालिकों द्वारा कम कीमत पर नील बेचने पर मजबूर किया जाता था जिससे रैयत अपना ऋण नहीं चुका पाते थे और अगली फसल के लिए दोबारा अग्रिम ऋण मिल जाता था और ये चक्र निरंतर चलता था जिससे किसानों की दुर्दशा होने लगी।

→ बागान मालिक चाहते थे की किसान अपने सबसे उपजाऊ खेतों में ही नील की खेती करें लेकिन नील के साथ एक परेशानी थी कि उसकी जड़ें बहुत गहरी होती थीं और वहां पर नील।की खेती के बाद धान की खेती नहीं करी जा सकती थी।

→ सबसे बड़ी समस्या थी की नील की कटाई का वक़्त और धान की कटाई का वक़्त एक ही होता था जिससे किसानों को नील की कटाई के लिए ही मज़दूर उपलब्ध हो पाते थे।

Page : 38 , Block Name : आइए विचार करें

Q7 किन परिस्थितियों में बंगाल में नील का उत्पादन धराशायी हो गया?

Answer. → 1859 में हज़ारों किसानों ने नील की खेती से इनकार कर दिया और बागान मालिकों का लगान चुकाने से इनकार कर दिया और नील की फ़ैक्टरियों पर हमला करने लगे।

→ अंग्रेज़ों ने 1857 की बगावत जैसे हालात से बचने के लिए उन्होंने रैयतों की तरफ झुकना सही समझा और कहा कि रैयतों को नील के अनुबंध मानने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता । इससे किसानों को लगा की अंग्रेज़ों ने नील की खेती न करने का हुक्म सुना दिया है।

→ नील उत्पादन व्यवस्था की जांच के लिए एक आयोग बनाया गया। इस आयोग ने बागान मालिकों को दोषी माना और उनकी आलोचना की गयी। आयोग ने कहा की नील की खेती रैयतों के लिए फायदे का सौदा नहीं है इसलिए किसान अनुबंध को पूरा करके नील की खेती बंद कर सकता है।

Page : 38 , Block Name : आइए विचार करें

Scanned with CamScanner

Class : 8
Subject : सामाजिक विज्ञान
Chapter : 4
Chapter Name : आदिवासी,दिकु और एक स्वर्ण युग की कल्पना

Q1 रिक्त स्थान भरें :
(क) अंग्रेज़ों ने आदिवासियों को _____ के रूप में वर्णित किया।
(ख) झूम खेती में बीज बोने के तरीके को _____ कहा जाता है।
(ग) मध्य भारत में ब्रिटिश भूमि बंदोबस्त के अंतर्गत आदिवासी मुखियाओं को _____ मिल गया था।
(घ) असम के _____और बिहार की _____ में काम करने के लिए आदिवासी जाने लगे।
Answer.
(क) असभ्य
(ख) बिखराव
(ग) भूमि स्वामित्व
(घ) चाय बागानों , खदानों

Page : 49 , Block Name : फिर से याद करें

Q2 सही या गलत बताएं:
(क) झूम काश्तकार ज़मीन की जुताई करते है और बीज रोपते हैं।
(ख) व्यापारी संथालों से कृमिकोष खरीदकर उसे पांच गुना ज्यादा कीमत पर बेचते थे।
(ग) बिरसा ने अपने अनुयायियों को आह्वान किया की वे अपना शुद्धिकरण करें, शराब पीना छोड़ दें और डायन व जादू-टोने जैसी प्रथाओं से दूर रहें।
(घ) अंग्रेज़ आदिवासियों की जीवन पद्धति को बचाए रखना चाहते थे।
Answer.
(क) गलत
(ख) सही
(ग) सही
(घ) गलत

Page : 50 , Block Name : फिर से याद करें

Q3 ब्रिटिश शासन में घुमंतू काश्तकारों के सामने कौन सी समस्याएँ थीं?
Answer.घुमंतू काश्तकारों को ब्रिटिश शासन में काफी समस्याएँ झेलनी पड़ रही थीं-
→ अंग्रेज़ों को घुमंतू काश्तकारों के भटकने के रवैये से काफी परेशानी हो रही थी। वे चाहते थे की आदिवासी समूह एक जगह स्थाई रूप से रहे और खेती करें ताकि उनका नियंत्रण सीधा उन पर बना रहे और उनसे अपनी आमदनी के स्रोतों को बढ़ाया जा सके लेकिन घुमंतू काश्तकार जो इस प्रस्ताव को अपनी आज़ादी से समझौता बताते थे उनका मानना था की वो आज तक जैसे जी रहे हैं आगे भी वैसे ही रहेंगे।

Scanned with CamScanner

→ घुमंतू काश्तकार खेती के लिए आधुनिक पद्धति का इस्तेमाल नहीं करते थे ऐसे में जब अंग्रेज़ों ने उन्हें स्थाई रूप से बसाने की कोशिश की तो कहीं मिट्टी सूखी थी तो कहीं पानी कम था ऐसे में हलो को चलाना आसान नहीं होता बल्कि उन काश्तकारों को इस आधुनिक पद्धति से नुकसान ही हुआ।
→ काश्तकारों को अब जंगलों में जाने की इजाज़त में कमी कर दी गयी जिससे अब उन्हें अपने लिए शिकार की व्यवस्था करने में, फलों को संग्रहित करने में परेशानी आने लगी|

Page : 50 , Block Name : आइए विचार करें

Q4 औपनिवेशिक शासन के तहत आदिवासी मुखियाओं की ताकत में क्या बदलाव आये?
Answer. औपनिवेशिक शासन के तहत आदिवासी मुखियाओं की ताकत में निम्न बदलाव आये-
→ अंग्रेज़ों के आने से पहले बहुत सारे इलाकों में आदिवासी मुखियाओं का महत्वपूर्ण स्थान होता था । कई जगह उनकी अपनी पुलिस होती थी और वे ज़मीन एवं वन प्रबंधन के स्थानीय नियम खुद बनाते थे। लेकिन ब्रिटिश शासन के भीतर आदिवासी मुखियाओं के कामकाज और अधिकार को बदल दिया गया। हालांकि मुखियाओं को कई गाँवों में ज़मीन का मालिकाना हक़ तो मिला पर उनकी शासकीय शक्तियों को छीन लिया गया।
→ आदिवासी मुखियाओं को ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा बनाए गए नियमों को मानने के लिए बाध्य किया गया और उन्हें अंग्रेज़ी सरकार को नज़राना देना पड़ता था और अपने समूह को अनुशासन में रखना होता था। उन्हें उनके अपने परंपरागत कामों से लाचार कर दिया गया।

Page : 50 , Block Name : आइए विचार करें

Q5 दिकुओं से आदिवासियों के गुस्से के क्या कारण थे?
Answer.दिकुओं से आदिवासियों के गुस्से के निम्न कारण थे -
→ आदिवासी समुदाय के लोग अपनी जरुरत की सारी चीज़ें वन से ही इकट्ठी कर लेते थे और उनके पास कोई रोज़गार नहीं होते थे तो जो चीज़ें उन्हें वन से नहीं मिलती थी उन्हें वे बाज़ार से खरीदते थे जिसके लिए वे महाजनों से क़र्ज़ लेते थे लेकिन उसका ब्याज अधिक होता था जिससे आदिवासी गरीबी की और ढकेले जा रहे थे।
→ अंग्रेजों ने जब आदिवासियों को वनों के भीतर जाने पर पाबंदी लगा दी उससे भी आदिवासियों को बाहरी लोगों की वजह से अपने ऊपर दवाब बनता दिखा जिसने आगे रौद्र रूप ले लिया।
→ आदिवासियों के द्वारा निर्मित वन्य उत्पादों के मुनाफ़े को बिचौलिए अपनी झोली में भर लेते थे जिससे आदिवासियों के भीतर उन बिचौलियों के प्रति रोष भवन उत्पन्न हुई।
→ आदिवासियों को चाय बागानों और कोयला खदानों में मजदूरी करने के लिए भर्ती किया जा था जो की ठेकेदार के अंतर्गत आता था । उन्हें बहुत कम वेतन दिया जाता था और उनको बंधुआ बना लिया जाता था।

Page : 50 , Block Name : आइए विचार करें

Q6 बिरसा की कल्पना में स्वर्ग युग किस तरह का था? आपकी राय में यह कल्पना लोगों को आकर्षित क्यों लग रही थी?
Answer.
→ बिरसा के स्वर्ग युग में मुंडा लोग अच्छा जीवन जीते थे,तट बंध बनाते थे, कुदरती झरनो को नियंत्रित करते थे, पेड़ और बाग़ लगाते थे और पेट पालने के लिए खेती किया करते थे।

Scanned with CamScanner

→ . बिरसा के स्वर्ग युग के अनुसार मुंडा लोग अपने बिरादरी और रिश्तेदारों का खून नहीं बहाते थे। वे अपनी ज़िंदगी एक जगह टिक कर ईमानदारी से जीते थे।
यह कल्पना लोगों को इसलिए आकर्षित कर रही थी क्योंकि अंग्रेज़ भूमि व्यवस्थाएं उनकी परंपरागत भूमि व्यवस्था को नष्ट कर रही थी महाजन उनकी ज़मीनें छीनते जा रहे थे और मिशनरी उनकी परंपरागत संस्कृति की आलोचना कर रहे थे।

Page : 50 , Block Name : आइए विचार करें

Scanned with CamScanner

राजनितिक विज्ञान

अध्याय नंबर	अध्याय का नाम
अध्याय 1	भारतीय संविधान
अध्याय 2	धर्मनिरपेक्षता की समझ
अध्याय 3	हमें संसद क्यों चाहिए
अध्याय 4	कानूनों के समझ

Scanned with CamScanner

पत्रांक–

दिनांक – पेज 01

नागरिकशास्त्र (CIVICS)
वर्ग VIII
अध्याय - 01

प्रश्न → संविधान क्या है?

उत्तर → संविधान बहुत सारे नियमों का एक संग्रह है जिसमें राज्य के कार्य संचालन के तरीके लिखे गये होते हैं।

प्रश्न → संविधान सभा का गठन कब किया गया था?

उत्तर → 10 दिसम्बर 1946 ई० को

प्रश्न → संविधान सभा के प्रथम अस्थायी अध्यक्ष कौन थे?

उत्तर → संविधान सभा के प्रथम अस्थायी अध्यक्ष डॉ० सच्चिदानन्द सिन्हा थे।

प्रश्न → संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष कौन थे?

उत्तर → संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष डॉ० राजेन्द्र प्रसाद थे।

प्रश्न → भारतीय संविधान के प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे?

उत्तर → डॉ० भीमराव अम्बेडकर थे।

प्रश्न → भारतीय संविधान के कुछ मुख्य विशेषताओं को चित्रित करें।

उत्तर → भारतीय संविधान के मुख्य विशेषताएं निम्न है।

प्रधानाध्यापक

(I) लिखित एवं अलिखित संविधान (II) निर्मित संविधान (III) विश्व संविधान की जननी (IV) विश्व का सबसे बड़ा संविधान (V) मौलिक अधिकारों की चर्चा (VI) मूल कर्तव्य (VII) नीति निदेशक तत्व की व्याख्या (IX) संसदीय शासन (X) संघीय शासन व्यवस्था (XI) धर्म निरपेक्ष संविधान (XII) लोकतंत्रात्मक गणराज्य (XIII) सम्प्रभु संविधान (XIV) व्यस्क मताधिकार की व्यवस्था।

Scanned with CamScanner

प्रश्न → संघीय शासन किसे कहते हैं ?

प्रश्न → जिस शासन व्यवस्था में दोहरी सरकार की व्यवस्था हो उस दोनों के अधिकार संविधान द्वारा विभाजित कर दिया गया हो उसे संघीय शासन व्यवस्था कहते हैं जैसे भारत। भारत में केन्द्रीय स्तर पर केन्द्र सरकार और प्रांतीय स्तर राज्य सरकार। भारत में एक स्थानीय सरकार की भी व्यवस्था है।

प्रश्न → संसदीय सरकार किसे कहते हैं ?

उत्तर → जिस सशासन में सरकार के सभी स्तरों पर जन प्रतिनिधियों का चुनाव व्यस्क जनता द्वारा होता है और जन प्रतिनिधि अपने कार्यों के लिए जनता के प्रति उत्तर दायी होते हैं। भारत में संसदीय शासन व्याप्त है।

प्रश्न → निरंकुशता क्या है ?

उत्तर → सत्ता (शक्ति) power, का कुरता एवं अन्यायपूर्ण इस्तमाल करना निरंकुशता कहलाता है।

प्रश्न → सम्प्रभुता क्या है ?

उत्तर → सम्प्रभुता एक सर्वोच्च सत्ता है, जो किसी आंतरिक एवं बाहरी सत्ता से मर्यादित न हो है। जो आंतरिक एवं बाहरी मामलों में स्वतंत्र है।

Scanned with CamScanner

Class : 8th
Subject : अर्थशास्त्र
Chapter : 1
Chapter Name : भारतीय संविधान

Q1 किसी लोकतांत्रिक देश को संविधान की ज़रूरत क्यों पड़ती हैं?

Answer.

- संविधान नियमों का एक ऐसा समूह होता है जिसको एक देश के सभी लोग अपने देश को चलने की पद्धति के रूप में स्वीकार करते हैं।
- संविधान के ज़रिये ही हम तैय करते है कि हमारी सरकार किस तरह की होगी।
- संविधान नागरिकों के मौलिक अधिकारों की भी रक्षा करता है।
- संविधान सभी नागरिकों मे समानता लाता है और ये सुनिश्चित करता है कि कोई भी ताक़तवर व्यक्ति या समूह अपने से कमज़ोर समूह या व्यक्ति पर अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल न करे।

Page : 16, Block Name : अभ्यास

Q2 नीचे दिए दो दस्तावेज़ों के हिस्सों को देखिये।पहला कॉलम 1990 का नेपाल का संविधान है।दूसरा संविधान नेपाल के ताज़ा अंतरिम संविधान में से लिया गया है।

1990 का नेपाल का संविधान भाग-७:कार्यपालिका	2007 अंतिरिम संविधान। भाग-५ :कार्यपालिका
अनुछेद 35: सरकारी शक्तियां नेपाल अधिराज्य की कार्यकारी शक्तियां महामहिम नरेश एवम मंत्रिपरिषद में निहित होंगी।	अनुछेद 37: कार्यकारी शक्तिया नेपाल की कार्यकारी शक्तियां मंत्रिपरिषद में निहित होंगी।

नेपाल के इन दोनों संविधानों में कार्यकारी शक्तियों के उपयोग में फर्क क्यों दिखाई देता है?इस बात को ध्यान रखते हुए क्या आपको लगता है कि नेपाल को एक नए संविधान की ज़रूरत है?क्यों?

Answer.

- नेपाल की जनता अपने संविधान से खुश नहीं है इसीलिए नेपाल को नए संविधान की ज़रूरत है।
- नेपाल के संविधान में वे आदर्श है ही नहीं जो नेपाल की जनता अपने लिए चाहती है और जिसके लिए वो शंघर्षशील रहे हैं।
- 'देश की सारी सत्ता और सारे नियम कानून निर्धारित करने की ताकत सिर्फ राजा के पास होगी' इस पर 1990 का नेपाल का संविधान आधारित था।
- 2007 का नेपाल का संविधान इस बात पर आधारित था की सारी शक्तियां मंत्रिपरिषद के पास होंगी और सारे कार्यकारी फैसले प्रधान मंत्री के नाम पर लिए जाएंगे।

Page : 16, Block Name : अभ्यास

Scanned with CamScanner

Q3 अगर निर्वाचित प्रतिनिधियों की शक्ति पर कोई अंकुश न होता तो क्या होता?

Answer.

- यदि निर्वाचित प्रतिनिधियों की शक्ति पर कोई अंकुश नहीं होता तो सारे नेता अपने मन के किसी भी कानून को लागू कर देते जिससे मज़बूरी में जनता को मानना ही पढता।
- इससे जनता का नुकसान ही होता।
- यदि उनपर अंकुश न हो तो देश के नेता अपनी शक्तियो का दुरुपयोग करते पाये जाते।
- समाज में अराजकता और हिंसा का निर्माण हो जाता और देश की शांति चली जाती ।

Page : 16, Block Name : अभ्यास

Q4 निम्नलिखित स्तिथियों में अल्पसंख्यक कौन है? इन स्थितियों में अल्पसंख्यक को के विचारों का सम्मान करना क्यों महत्वपूर्ण है। इसका एक एक कारण बताइए।
(क) एक स्कूल में 30 शिक्षक है और उनमें से 20 पुरुष है।
(ख) एक शहर में 5 प्रतिशत लोग बौध्य धर्म को मानते है ।
(ग) एक कार्ल्हने में भोजनालय में 80% कर्मचारी शाकाहारी है।
(घ) 50 विद्यार्थियों की कक्षा में 40 विद्यार्थी संपन्न परिवार से है।

Answer.
(क) यहाँ पर महिला शिक्षकों की संख्या अल्पसंख्यक है।
चाहे महिला शिक्षकों की संख्या कितनी ही काम क्यों न हो वो पुरुष शिक्षकों से कही भी पीछे नहीं हैं , वे सब भी इतनी ही पढ़ी लिखी हैं जितना की पुरुष शिक्षक।
इसीलिए अल्पसंख्यक होने पर भी महिला शिक्षकों का सम्मान करना महत्वपूर्ण है।
(ख) यहाँ पर बौध्य धर्म के लोगो की संख्या अल्पसंख्यक है। बौध्य धर्म हमे जीने का सही तरीका सिखाता है। बौध्य धर्म में गौतम बुद्ध के दिखाये रास्ते का लोग पालन करते हैं। इसीलिए अल्पसंख्यक होने पर भी हमें हर धर्म की व्यक्ति का सम्मान करना महत्वपूर्ण है।
(ग) यहाँ मांसाहारी खाने वाले लोगो की संख्या अल्पसंख्यक हैं।
(घ) यहाँ असम्पन्न परिवार से आने वाले विद्यार्थी अल्पसंख्यक हैं।

Page : 16, Block Name : अभ्यास

Q5 नीचे दिए गए कॉलम में भारतीय संविधान के मुख्य आयामो की सूचि दी गयी है।दूसरे कॉलम में आयामो के सामने दो वाक्यो में लिखिए की आपके लिए यह आयाम क्यों महत्वपूर्ण है?

Answer.

मुख्या आयाम	महत्त्व
• सघंवाद	भारत जैसे बड़े देश में यह बहुत मुश्किल है कि कोई व्यक्ति केंद्र से ही पूरे देश के नियम कानून को चला पाये और देश का सूचार रूप से विकास कर

Scanned with CamScanner

	पाए।इसीलिए हर प्रांतीय स्तर पर सरकार और हर ग्रामीण स्तर में पंचायती राज है जो देश के विकास में मदत करते हैं।
• शक्तियों का बँटवारा	शक्तियों का बँटवारा इसलिए किया जाता है ताकि हर किसी पर अंकुश लगाया जा सके जिससे वे अपनी शक्तियों का दुरुपयोग न करे।
• मौलिक अधिकार	सत्ता का निरंकुश इस्तेमाल रोकने के लिए मौलिक अधिकार ज़रूरी हैं।
• संसदीय शासन पद्धति	नागरिकों के पास चुनाव के माध्यम से अपना प्रतिनिधि खुद चुनने का अधिकार दिया गया हैं।

Page : 16, Block Name : अभ्यास

Scanned with CamScanner

प्रश्न → धर्म निरपेक्षता से क्या समझते हैं ?
उत्तर → धर्म निरपेक्षता का शाब्दिक अर्थ है किसी भी धर्म के पक्ष में नहीं। इसका आशय यह है कि भारत का अपना कोई राज्य धर्म नहीं है। भारत सभी धर्मों का समान आदर करता है। धर्म के नाम पर किसी के साथ कोई भेद भाव नहीं करता है। हर नागरिक को अपनी इच्छानुसार ~~धर्म~~ किसी भी धर्म को मानने उसकी मान्यता के अनुसार आचरण करने, प्रचार प्रसार करने एवं धर्म परिवर्तन करने का स्वतंत्र अधिकार है।

प्रश्न → धर्म को राज्य से अलग रखने की आवश्यकता क्यों है ?
उत्तर → धर्म को राज्य से अलग रखने की आवश्यकता निम्न है।

(i) धार्मिक अल्पसंख्यकों को बहुमत वाले के लोगों की निरंकुशता से बचाने के लिए धर्म को राज्य से अलग रखा गया।

(ii) भारत के किसी भी व्यक्ति को एक धर्म से दूसरे धर्म से निकलने, दूसरे धर्म को अपनाने या धार्मिक उपदेशों को अलग ढंग से व्याख्या करने के लिए धर्म निरपेक्षता की आवश्यकता है।

प्रधानाध्यापक

Scanned with CamScanner

प्रश्न → भारतीय धर्म निरपेक्षता के कौन कौन से लक्षण है?

उत्तर → भारत के धर्मनिरपेक्षता के निम्न लक्षण है —

(I) भारत का कोई राजधर्म नहीं है।

(II) भारत सभी धर्मों का एक समान आदर करता है।

(III) भारत धर्म के नाम पर कोई भेदभाव नहीं करता है।

(IV) सभी को एक धर्म से निकल कर दूसरे धर्म को अपनाने का अधिकार है।

(IV) सभी लोगों को अपने धर्म की व्याख्या करने की स्वतंत्रता होती है।

(V) अपने धर्म के प्रचार प्रसार करने का स्वतंत्र अधिकार है।

Scanned with CamScanner

प्र० संसद किसे कहते हैं?

उ० → (i) भारत में संघीय विधि निकाय संस्था को संसद कहते हैं।
(ii) वयस्क जनता द्वारा चुना हुआ प्रतिनिधियों का वह संस्था जो कानून का निर्माण करती है। ~~और समूह~~ उसे संसद (Parliament) कहते हैं।

प्रश्न → संसद के कितने अंग है?

उ० → संसद के तीन अंग है - (i) लोकसभा (ii) राज्य सभा (iii) राष्ट्रपति।

प्र० → लोक सभा का गठन कैसे होता है?

उ० → भारतीय लोक सभा में अधिकतम सदस्यों की संख्या 552 हो सकती है। जिसमें 550 वयस्क जनता द्वारा निर्वाचित और दो राष्ट्रपति द्वारा मनोनित ~~होते~~ होंगे। तत्काल में भारतीय लोक सभा में कुल सदस्यों की संख्या 545 है। जिसमें 543 वयस्क जनता द्वारा निर्वाचित और दो राष्ट्रपति द्वारा मनोनित होते है (एंग्लोइन्डियन)
प्रधानाध्यापक
जिसमें 79 सदस्य अनुसूचित जातियों और 41 सदस्य अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित हैं।

प्रश्न → लोकसभा के सदस्यों की योग्यता क्या है?

उ० → (i) वह भारत का नागरिक हो। (ii) उसका उम्र 25 साल से अधिक हो। (iii) वह किसी लाभ के पद पर न हो।
(iv) वह किसी घोर अपराध में दण्डित न हो।
(v) वह पागल या दीवालीया न हो।

प्रश्न → लोक सभा के सदस्यों का चुनाव कैसे होता है?

उत्तर → भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र को 543 निर्वाचन क्षेत्रों में बाट दिया गया है। जिसमें 79 अनुसूचित जातियों एवं 41 अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित किये गये हैं। प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से एक-एक प्रतिनिधि वयस्क मताधिकार द्वारा प्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं जिसे सांसद कहते हैं।

प्रश्न → ~~संसद~~ लोक सभा किसे कहते हैं?

उ० → भारतीय संसद के प्रथम निम्न, अस्थायी एवं प्रतिनिधि सदन को लोकसभा कहते हैं।

प्रश्न → राज्य सभा किसे कहते हैं?

उत्तर → भारतीय संसद के द्वितीय, उच्च, एवं स्थायी सदन को राज्य सभा कहते हैं। इसमें कुल सदस्यों की संख्या 250 है जिसमे 238 निर्वाचित एवं 12 साहित्य द्वारा मनोनित होते हैं जो कला विज्ञान, साहित्य एवं समाज सेवा क्षेत्र मे अनुभवी हो।

प्र० → राज्य सभा का गठन कैसे होता है?

उ → भारतीय राज्य सभा में कुल सदस्यों की संख्या 250 है। जिसमें 238 अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित एवं 12 वैसे सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनित किये जाते हैं, जो कला, विज्ञान, साहित्य एवं समाज सेवा के क्षेत्र में विशेष योग्यता रखते हो। राज्य सभा का कार्यकाल 6 वर्ष है। राज्य सभा के कुल सदस्यों का $\frac{1}{3}$ सदस्य प्रत्येक दो वर्ष पर अपने पद से हट जाते हैं और उनके स्थान पर नये सदस्यों का चुनाव होता है।

प्रश्न → संसद के अधिकार एवं कार्य क्या है?

उत्तर → संसद के अधिकार एवं कार्य निम्न है।

(i) कानून का निर्माण करना।
(ii) कार्यपालिका पर नियंत्रण रखना।
(iii) संविधान संशोधन में भाग लेना।
(iv) बजट पास करना।
(v) ~~सर्व~~ राष्ट्रपति के चुनाव में भाग लेना।
(vi) वैदेशिक नीति निर्धारित करना।
(vii) उपराष्ट्रपति का चुनाव करना।

प्रधानाध्यापक

Scanned with CamScanner

वैकल्पिक प्रश्न CIVIC 8

(1) संसद के कितने अंग है?
(क) 3. - तीन (3)

2. संसद का मुख्यालय कहां है?
नई दिल्ली।

3. लोकसभा का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है?
पांच वर्ष। (5)

4. राज्य सभा का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है?
छः वर्ष (6)

5. संसद के संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता कौन करता है?
लोकसभा अध्यक्ष

6. कौन सा अधिकारी संसद का सदस्य नहीं होते हुए भी संसद के अधिवेशन में भाग लेता है? (व्यक्ति)
महान्यायवादी।

7. संसद का अधिवेशन कौन बुलाता है?
राष्ट्रपति।

8. संसद के संयुक्त अधिवेशन में अभिभाषण कौन देता है?
राष्ट्रपति।

9. लोकसभा के सदस्यों के न्यूनतम उम्र सीमा कितना है?
25 (पच्चीस) वर्ष।

10 राज्य सभा के सदस्य होने के लिए न्यूनतम उम्रसीमा क्या है?
30 (तीस) वर्ष।

Scanned with CamScanner

Class : 8th
Subject : अर्थशास्त्र
Chapter : 2
Chapter Name : धर्मनिर्पक्षिता की समझ

Q1 अपने आस पास में प्रचलित धार्मिक क्रियाकलापो की सूचि बनाए।आप विभिन्न प्रकार की प्राथनाएं विभिन्न देवताओ की पूजा विभिंन्न पवित्र स्थानों विभिन्न प्रकार के धार्मिक संगीत और गायन आदि को देख सकते है।क्या इससे धार्मिक क्रियाकलापो की स्वतंत्रता का पता चलता है?

Answer.

- मेरे आस पास हिन्दू,मुस्लिम,सिख और ईसाई जैसे विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं और उनको अपने मर्ज़ी के धर्म मानने की पूरी स्वतंत्रता हैं।
- हिन्दू धर्म: हिन्दू धर्म में लोग भगवान की पूजा करते हैं और इस धर्म में बहुत सारे भगवान होते हैं जैसे की शंकर भगवान, लक्ष्मी माता,इत्यादि।
- रामायण और भगवत गीता यह पवित्र किताबों में जानी जाती हैं । इस धर्म के पवित्र गीत को भजन कहते हैं।
- मुस्लिम धर्म: मुसलमान धर्म का पालन करने वाले लोग अल्लाह को अपना भगवान मानते हैं।
- कुरान इनकी पवित्र किताब हैं।
- यह मस्जिद में जाकर पूजा करते हैं।
- सिख धर्म: सिख धर्म के लोग वाहेगुरु को अपना भगवान मानते हैं।
- यह गुरुद्वारे में जाकर पूजा करते हैं।
- ईसाई धर्म: इस धर्म के लोग भगवान जिसस को अपना भगवान मानते हैं।
- बाइबल इनके धर्म की पवित्र किताब हैं।
- यह चर्च जाते है पूजा करने के लिए।

Page : 26, Block Name : अभ्यास

Q2 अगर किसी धर्म के लोग यह कहते है कि उनका धर्म नवजात शिशु को मारने की छूट देता है तो सरकार किसी तरह का दखल देगी या नहीं? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए।

Answer.

- भारत सरकार ज़रूर दखल देगी और उन्हें ऐसा करने की सजा भी मिलेगी।
- ऐसा करना भारत के संविधान के खिलाफ है और जो काम संविधान के खिलाफ हो सरकार के पास उसे रोकने का पूरा अधिकार है।
- ऐसा करना मानव अधिकारों का भी हनन हैं।
- भारत के कानून के अनुसार हर किसी को अपना जीवन जीने का पूरा अधिकार है,चाहे वो नवजात शिशु ही क्यों ना हो।
- यदि किसी धर्म में ऐसा करने की छूट है तो सरकार को पूरा अधिकार है कि वो इस प्रथा को रोकने के लिए कानून बनाए।

Scanned with CamScanner

- इस कानून को ना सिर्फ उस धर्म के लोगो को बल्कि पूरी जनता को पालन करना होगा।
- सरकार किसी धर्म और उसकी मान्यताओं का पालन करने से किसी को तब तक नहीं रोक सकती जब तक की उससे मानव के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन न हो रहा हो।
- क्योंकि जीवन का हक़ मौलिक अधिकार में शामिल है और सबसे ज़रूरी अधिकार भी है।
- इसीलिए सरकार इस पर नियम बनाकर अपराधी को कड़ी से कड़ी सजा भी दे सकती हैं।

Page : 26, Block Name : अभ्यास

Q3 इस तालिका को पूरा कीजिए:-

Answer.

उद्देश्य	यह महत्वपूर्ण क्यों है?	इस उद्देश्य के उल्लंघन का उदाहरण
एक धार्मिक समुदाय दूसरे समुदाय पर वर्चस्व नहीं रखता।	इससे सभी समुदायों का समान विकास होता है।	जम्मू और कश्मीर में हिन्दू मुसलमान पर लोग अपना वर्चस्व रखते हैं।
राज्य न तो किसी धर्म को थोपता है और न ही किसी भी धार्मिक स्वतंत्रता को छीनता है।	इससे हम अल्पसंख्यक वाले लोगो पर अत्याचार और भेदभाव रोक सकते हैं।	श्रीलंका में सहनागली लोग तामिल लोगो पर अपना वर्चस्व रखते हैं।
एक ही धर्म के कुछ लोग अपने ही धर्म के लोगो को न दबाए।	इससे हमें शांति , सहनशीलता और सौहार्दपूर्ण वातावरण मिलता है।	हिन्दू धर्म में लोगो के छुआ-छात की प्रथा इसका अच्छा उदाहरण है।

Page : 26, Block Name : अभ्यास

Q4 अपने स्कूल के वार्षिक छुट्टी के कैलेंडर को देखिये।उनमे से कितने छुट्टियां विभिन्न धर्मों से संबंधित है?इससे क्या संकेत मिलता है?

Answer.

- हमारे स्कूल में कुल मिला के 30 दिन की छुट्टी मिलती है।
- जिनमे से 5 सरकारी और 25 विभिन्न धर्मों के विभिन्न त्योहारों की छुट्टी है।
- हिन्दू धर्म: दीपवाली, होली और दशहेरा।
- सीख धर्म: गुरु गोविंद जयंती,लोहरी और बैसाखी।
- ईसाई धर्म: गुड फ्राइडे और क्रिस्मस।
- मुस्लिम धर्म: ईद उल्ल फ़ित्र ,ईद उल्लं अज़हा और मुहर्रम ।
- इससे हमें यह पता चलता है भारत में हर धर्म को एक समान इज़्ज़त मिलती है और यहाँ हर नागरिक अपने पसंद के कोई भी धर्म के पालन के लिए स्वतंत्र है।

Page : 26, Block Name : अभ्यास

Scanned with CamScanner

Q5 एक ही धर्म के भीतर अलग अलग दृष्टिकोन के उदहारण दीजिये।

Answer.
हिन्दू धर्म में बहुत से देवी देवतों की पूजा की जाती हैं और इन सभी देवी देवताओं की अपनी अलग मान्यता हैं।

- हिन्दू धर्म के लोग दो क्षेणी में विभाजित वैष्णव और शैव।
- इन दोनों क्षेणी में बहुत अंतर है इनका धर्म एक है लेकिन भगवान और मान्यताएँ अलग अलग हैं।
- कुछ चीज़े तो ऐसी भी है जिनका पालन वैष्णव धर्म में किया जाता है परंतु शैव धर्म में इसका पालन करना मन है।

Page : 26, Block Name : अभ्यास

Scanned with CamScanner

Class : 8th
Subject : अर्थशास्त्र
Chapter : 3
Chapter Name : हमें संसद क्यों चाहिए

Q1 राष्ट्रवादी आंदोलन ने इस विचार का समर्थन किया कि सभी वयस्को को मत देना का अधिकार होना चाहिए?

Answer.

- पुराने समय में जब ब्रिटिश भारत पर शासन करते थे तब सभी भारतीय नागरिक उनसे बहुत परेशान थे।
- वे भारतीय नागरिकों को उनके मर्ज़ी के खिलाफ बहुत से ऐसे काम करवाते थे जिन्हें आम जनता नहीं करना चाहती थी।
- सब ब्रिटिश शासन की निंदा करते थे किंतु कोई भी उनके सामने उनकी आलोचना नहीं कर पाता था।
- यदि कोई आलोचना करते पाया गया तो उसे कड़ी सजा मिलती थी।
- राष्ट्रवादी संघ के लोगो ने यह पूरा दृश्य बदल दिया वे खुले आम ब्रिटिश शासन की आलोचना करते थे।
- उन्होंने स्वतंत्रता के लिए बहुत संघर्ष किया।
- वे चाहते थे की भारत में भारत के नागरिकों की सभी मांगे पूरी की जाये और वे अपने देश में अपने तरीके से रह सके।
- वे भारत को आज़ादी दिलाने चाहते थे पर इससे उनका यह मतलब बिलकुल नहीं था कि अब सरकार नागरिकों पर अपनी मनमानी चलाये और अपने अनुसार नियम बनाए।
- वे चाहते थे की भारत की सरकार भारत के नागरिकों की मांगों के लिए संवेदनशील हो जाये ।
- इसीलिए उन्होंने ने सभी वयस्को को मतदान करने के लिए कहा ताकी वे उनकी पसंद का प्रतिनिधि चुन सके जो उनकी मांगों के प्रति संवेदनशील हो।

Page : 26, Block Name : अभ्यास

Q2 बंगाल में 2004 के चुनाव का नक्शा दिया गया है।इस नक्शे में आने राज्य के चुनाव छेत्रो को पहचानने का प्रयास करे।आपके चुनाव छेत्र के सांसद का क्या नाम है? आपके राज्य से सांसद में कितने संसद जाते है? कुछ निवोच छेत्रो को नील और कुछ को हरे रंग से क्यों दिखाया गया है?

Answer.

- मेरे चुनाव क्षेत्र उत्तर मुम्बई है और यहाँ के सांसद गोपाल सी शेट्टी है।
- यह बीजेपी से हैं।
- मेरे राज्य से संसद में कुल अड़तालीस सीट हैं।
- नील रंग के क्षेत्र अनुसूचित जाति के संसद के लिए आरक्षित है।
- हरा रंग के क्षेत्र अनुसूचित जनजाति के संसद के लिए आरक्षित है।

Page : 26, Block Name : अभ्यास

Q3 अध्याय एक में आपने पढ़ा था कि भारत में प्रचलित ' संसदीय शासन व्यवस्ता' के तीन स्तर होते है।इनमे से एक स्तर संसद(केंद्र सरकार) तथा दूसरा स्तर विभिन्न राज्य विधायिकाओं(राज्य सरकार) का होता है।अपने क्षेत्र के

Scanned with CamScanner

विभिन्न प्रतिनिधियों से सम्बंधित सूचनाओं के आधार पर निम्नलिखित तालिका भरे:-

Answer.

	राज्य सरकार	केंद्र सरकार
कौन से/सा राजनितिक दाल अभी सत्ता में है/हैं?	बी.जे.पी	बी.जे.पी
आपके क्षेत्र से निर्वाचित प्रतिनिधि कौन है?	गोपाल सी शेट्टी।	देवेंद्र फडणवीस।
अभी कौन सा राजनिक्तिक दाल विपक्ष में है?	कांग्रेस।	कांग्रेस।
पिछले चुनाव कब हुए थे?	2019	2019
अगले चुनाव कब होंगे?	2024	2024
आपके राज्य से अभी कितनी महिला प्रतिनिधि है?	2	8

Page : 26, Block Name : अभ्यास

Scanned with CamScanner

Class : 8th
Subject : अर्थशास्त्र
Chapter : 4
Chapter Name : कानूनों की समझ

Q1 कानून का शासन पद से आप क्या समझते है?अपने शब्दों में लिखिए।अपना जवाब देते हुए कानून के उल्लंघन का कोई वास्तविक या काल्पनिक उदहारण दीजिये।

Answer.

- कानून का शासन हमे यह सिखाता है कि कानून की नज़र में सभी व्यक्ति एक बराबर हैं।
- कानून का शासन का मतलब है कि सभी कानून देश के सभी नागरिकों पर सामान्य रूप से लागू होते हैं।
- इसके तहत कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है चाहे वो सरकारी अधिकारी हो या कोई धनाशेत।
- यहाँ तक की राष्ट्रपति भी कानून से ऊपर नहीं हैं।
- हर अपराध की या कानून के उल्लंघन की एक सजा निर्धारित है और उसे सजा तक पहुचने की एक निर्धारित प्रक्रिया है ।
- जिसमे अपराधी का अपराध साबित होता है।
- कानून के उल्लंघन के कुछ उदहारण नीचे दिए गए है:
- i.ट्रैफिक सिग्नल पर लाल बत्ती होने पर भी गाड़ी न रोकना कानून का उल्लंघन है।
- ii.बिना हेलमेट के गाडी चलाना कानून का उल्लंघन है।

Page : 51, Block Name : अभ्यास

Q2 इतिहास इस दावे को गलत ठहराता है कि भारत में कानून का शासन अंग्रेज़ो ने शुरू किया था।इसके कारणों में से दो कारण बताइये।
Answer.
भारत में कानून अंग्रेज़ो ने शुरू किया था इस दावे को इतिहास गलत ठहराता है क्योंकि

- भारत में क़ानूनी मामलो के विकास में भारतीय राष्ट्रवादियो ने एक अहम भूमिका निभायी थी।
- औपनिवेशिक कानून मनमानेपन पर आधारित था,1870 का राजद्रोह एक्ट अंग्रेज़ो के मनमाने शासन की मिसाल था।
- इसके तहत अगर कोई भी व्यक्ति ब्रिटिश सरकार की आलोचना या विरोध करता था तो उसपर बिना मुकदमा चलाये ही गिरफ्तार किया जा सकता था।
- भारतीय राष्ट्रवादी अंग्रेज़ो द्वारा सत्ता के इस मनमाने इस्तेमाल का विरोध और आलोचना करते थे।

Page : 51, Block Name : अभ्यास

Q3 घरेलु हिंसा पर नया कानून किस तरह बना,महिला संगठनो ने इस प्रक्रिया में अलग-अलग तरीके से क्या भूमिका निभाई उसे अपने शब्दों में लिखिए।

Answer.

Scanned with CamScanner

- बहुत समय के बाद घरेलु हिंसा से परेशान होकर कुछ महिलाओं ने महिला संगठन के दफ्तर में इसके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई।
- दिन प्रति दिन घरेलु हिंसा की बढ़ती शिकायतों के कारण महिला संगठन को एक नए कानून की आवश्यकता महसूस हुई।
- सभी लोगो ने घरेलू हिंसा का मुद्दा विभिन्न मंचो पर उठाया।
- 1999 में वकील,कानून विद्यार्थी और समाज वैज्ञानिको के संगठन 'लॉयर्स कलेक्टिव' ने इस विषय पर राष्ट्रव्यापी चर्चा की और घरेलु हिंसा विधेयक का मसौदा तैयार किया।
- इस विधयक को बहुत सारे लोगो को पढ़ाया गया और 2002 में इससे संसद में पेश किया गया।
- कुछ महिला समूह ने इस विधयक का विरोध भी किया क्योंकि इसमें उनके सुझाई हुई एक भी बात नहीं थी।
- एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमें सभी लोगो ने ऑनलाइन अपनी याचिकाएं भेजी।
- इसे ऑनलाइन लिया गया था ताकी सभी लोग तुरंत अपनी राय दे सके।
- इसके बाद महिला संगठनो ने स्थानीय संसद को अपने सुझाव सौप दिए और संसद ने उन्हें राज्यसभा में सौप दिया।
- इन् शिफरिशो को लोकसभा में भी पेश किया गया।
- कमिटी की रिपोर्ट ने महिला संगठनो की बहुत सी मांगे स्वीकार कर ली गयी थी।
- 2005 में एक नया विधयक संसद के सामने पेश किया गया था और दोनों सदनों की मंजूरी के बाद इससे राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा गया।
- 2006 से घरेलु हिसा के खिलाफ कानून लागु हो गया था।
- इस प्रकार से कानून की आवश्यकता महसूस करना,विधयक बनवाना,उसे अपने सुझाव देकर बेहतर बनाना जैसे अलग-अलग काम को महिला संगठनो ने करके इस कानून के लागू होने में उन्होंने एक अहम् भूमिका निभायी है।

Page : 51, Block Name : अभ्यास

Q4 अपने शब्दों में लिखिए की इस अद्याय में आये निम्नलिखित वाक्यो से आप क्या समझते है; अपनी बातों को मनवाने के लिए उन्होंने संघर्ष शुरू कर दिया।यह समानता का संघर्ष था।उनके लिए कानून का मतलब ऐसे नियम नहीं थे जिनका पालन करना मज़बूरी हो।वे कानून को इससे अलग ऐसी व्यवस्ता के रूप में देखना चाहते थे जो न्याय के विचार पर आधारित हो।

Answer.

- भारत राष्ट्रवादी अंग्रेज़ो के मनमाने कानून से सहमत नहीं थे इसीलिए गलत कानून को सहने के बजाए उन्होंने अपनी मांगे उनके सामने रखी और अपनी मांगे मनवाने के लिए उन्होंने संघर्ष किया।
- वे चाहते थे की सभी लोगो को कानून की नज़र में एक समझ जाये।
- वे सभी लोगो में बराबरी चाहते थे।
- सही कानून वो नियम होते है जो हर व्यक्ति को न्याय दे और उनकी मुश्किलो को कम करके उनका जीवन सरल बनाये।
- ऐसा कानून जो न्याय देने के बजाए लोगो की स्वतंत्रता छीन ले वे ऐसा कानून नहीं चाहते थे।
- यदि कानून से सबका न्याय होगा तो किसी को भी उसे मज़बूरी से पालन नहीं करना पड़ेगा।

Scanned with CamScanner

- इन वाक्यो से हमे सही कानून क्या होता है यह समझाया है और अगर कोई ऐसा कानून हो जो निर्दोष को तकलीफ पहुचाये या किसी भी तरह का भेद भाव उत्पन करे तो हमे उसका विरोध करने मे संकोच नहीं करना चाहिए।

Page : 51, Block Name : अभ्यास

Scanned with CamScanner